

## अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट: आरबीआई

### प्रलम्ब के लिये:

मुद्रास्फीति, इक्विटी प्रवाह, यूक्रेन में युद्ध, तेल की कीमतें, आधार प्रभाव, ऋण संकट।

### मेन्स के लिये:

अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट: आरबीआई।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय रिज़र्व बैंक \(RBI\)](#) ने "अर्थव्यवस्था की स्थिति" नामक एक रिपोर्ट जारी की है, जो एक अंधकारमय वैश्विक दृष्टिकोण (Darkening Global Outlook) की चेतावनी देती है।

## रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- **अंधकारमय वैश्विक दृष्टिकोण:**
  - जोखिम संतुलन वर्ष 2023 के लिये एक अंधकारमय वैश्विक दृष्टिकोण की ओर तेज़ी से झुका हुआ है, जो इस वर्ष की मौद्रिक नीति कार्रवाइयों का खामियाज़ा भुगतगा।
- **उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाएँ:**
  - उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाएँ (EME) अनश्चिति दिखाई देती हैं, जो धीमी वृद्धि और उच्च [मुद्रास्फीति](#) के अलावा [मुद्रा मूल्यह्रास](#) और [पूंजी बहरिवाह](#) से जूझ रही हैं।
- **ऊर्जा कीमतें:**
  - ऊर्जा की कीमतों को लेकर अभी भी एक असहज स्थिति बनी हुई है, [पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और उनके सहयोगियों \(OPEC+\)](#) ने उत्पादन में कटौती अभी तक जारी रखी है, लेकिन [तेल की कीमतों](#) की सीमा तय करने से वधितनकारी वित्तीय ताकतों के बढ़ने का खतरा है, क्योंकि हेज फंड पहले से ही कच्चे तेल अनुबंधों में शुद्ध कटौती कर रहे हैं।
  - वैश्विक कमोडिटी बाज़ारों में नरमी के बावजूद [जलवायु परिवर्तन](#) और [यूक्रेन में युद्ध](#) के कारण [खाद्य कीमतें पूर्व-महामारी के स्तर से अधिक बनी रहेंगी](#)।
- **ऋण:**
  - डिफॉल्ट दरों में वृद्धि और अमेरिकी डॉलर (प्रथमिक मुद्रा जो ऋण आधारित है) की मज़बूती के साथ ऋण संकट बढ़ रहा है, हालाँकि यह हाल ही में 20 वर्ष के उच्च स्तर से नीचे गिर गया है।
- **भारतीय विकास परिदृश्य:**
  - **मुद्रास्फीति:**
    - मुद्रास्फीति में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन यह नश्चिति तौर पर खतम नहीं हुई है।
    - मुद्रास्फीति की मौजूदा स्तर से वर्ष 2023 में कम होने की संभावना है, लेकिन अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में यह लक्ष्य से काफी ऊपर रहेगी।
      - मुद्रास्फीति में कमी मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में तेज़ नरमी से प्रेरित है। इंडेक्स में महीने-दर-महीने (M-O-M) 11 bps की गरिावट आई है, जो एक अनुकूल [आधार प्रभाव](#) माना जा सकता है।
  - **घरेलू कारक:**
    - भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये [नकट अवधि के विकास दृष्टिकोण को घरेलू कारकों का समर्थन प्राप्त है](#)।
      - घरेलू आर्थिक गतिविधि नवंबर और दिसंबर 2022 की शुरुआत में लचीली रही।
    - नज़ी खपत और निवेश के लिये संभावना बढ़ रही है, हालाँकि ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षाकृत उच्च मुद्रास्फीति उन क्षेत्रों में खर्च को कम कर रही है।
    - मुख्य मुद्रास्फीति 6% पर स्थिर रहने के बावजूद [सब्जियों की कीमतों में गरिावट](#) के कारण नवंबर 2022 में [हेडलाइन मुद्रास्फीति](#) 90 आधार अंकों से घटकर 5.9% हो गई।
  - **इक्विटी प्रवाह:**

- भारत में मज़बूत पोर्टफोलियो प्रवाह से उत्साहति होकर नवंबर के दौरान इक्विटी बाज़ारों ने नई ऊँचाईयों को छुआ।
- इनपुट लागत के दबाव में कमी अभी भी उछाल वाली कॉर्पोरेट बकिरी और अचल संपत्तियों में वृद्धि भारत में कैपेक्स चक्र में तेज़ी की शुरुआत कर रही है जो भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति को तेज़ करने में योगदान करेगी।
- भवषिय की संभावनाएँ:
  - दिसंबर 2022 में, जैसा कि भारत अपनी जी20 अध्यक्षता के तहत अपनी प्राथमिकताओं और डलिविरेबल्स को निर्धारित करने में संलग्न है, ऐसा कहा जा सकता है कि भारत के विश्व के मंच के केंद्र में पहुंचने का समय आ गया है।
  - PPP (करय शक्ति समानता) के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और बाज़ार वनिमिय दरों के मामले में 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का G20 के GDP में 3.6% हिस्सा है, जबकि वास्तविक करय शक्ति समानता (PPP) के संदर्भ में इसका हिस्सा 8.2% से बहुत अधिक है।
  - 2023 में भारत के G20 के भीतर सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का अनुमान है।
  - G20 की अध्यक्षता के तहत भारत की प्राथमिकताएँ एकता और परस्पर जुड़ाव की दृष्टि को समाहित करती हैं। वे वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को भी दर्शाएंगे: एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भवषिय।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-से मामलों में भारतीय रज़िर्व बैंक वाणज्यिक बैंकों को नयितरति करता है? (2013)

1. परसिंपत्तियों की तरलता
2. शाखा वसितार
3. बैंकों का वलिय
4. बैंकों का समापन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 4
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत में मुद्रास्फीतिके संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा सही है? (2015)

- (a) भारत में मुद्रास्फीतिको नयितरति करना केवल भारत सरकार की ज़मिमेदारी है।
- (b) मुद्रास्फीतिको नयितरति करने में भारतीय रज़िर्व बैंक की कोई भूमिका नहीं है।
- (c) मुद्रा परसिंचरण में कमी मुद्रास्फीतिको नयितरति करने में मदद करती है।
- (d) बढ़ा हुआ मुद्रा परसिंचरण मुद्रास्फीतिको नयितरति करने में मदद करता है।

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2020)

1. खादय वस्तुओं का 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' (CPI) भार (Wegitage) उनके 'थोक मूल्य सूचकांक' (WPI) में दयि गए भार से अधिक है।
2. WPI, सेवाओं के मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को नहीं पकड़ता, जैसा कि CPI करता है।
3. भारतीय रज़िर्व बैंक ने अब मुद्रास्फीतिके मुख्य मान तथा प्रमुख नीतगित दरों के निर्धारण हेतु WPI को अपना लयिा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

[स्रोत: द हद्रि](#)

